राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 154

18 जुलाई, 2018 को उत्तर के लिए

कच्चे इस्पात का उत्पादन-लक्ष्य

154. डॉ. शशिकला पुष्पा रामास्वामी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने अपनी राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 में 2030-31 तक 300 मैट्रिक टन कच्चे इस्पात के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस महान लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन पहलुओं का ब्यौरा क्या है, जिन पर पर्याप्त और विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है; और

(घ) इस संदर्भ में सेलम इस्पात संयंत्र को सौंपी जाने वाली/सौंपी गई भूमिका का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): जी नहीं। सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 में वर्ष 2030-31 तक क्रूड इस्पात क्षमता को 300 एमटी (उत्पादन की नहीं) तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। संबंधित उत्पादन क्षमता 255 एमटी होगी।

(ग): सरकार ने इस्पात उत्पादन की क्षमता को प्रोत्साहित करने और इस्पात खपत को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

i) राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 लागू की गई।
ii) सरकारी खरीद में घरेलू निर्मित लोहा और इस्पात उत्पादों को वरीयता प्रदान करने की नीति (डीएमआई एंड एसपी) लागू की गई।
iii) सार्वजनिक/सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) परियोजनाओं में डिजाइन और विनिर्देशन तैयार करते समय संपूर्ण जीवन लागत विश्लेषण को शामिल करने के लिए सामान्य वित्तीय नियमावली (जीएफआर) दिशा-निर्देशों को संशोधित किया गया।
iv) इस्पात मंत्रालय ने इस्पात के उपयोग को बढ़ाने के लिए आईएनएसडीएजी, एचएससीएल और अपने सीपीएससी के माध्यम से विभिन्न पहल शुरू की हैं, यथा- कम लागत वाले घरों, पर्वतीय क्षेत्रों एवं भूकंपीय क्षेत्रों में अवसंरचनागत विकास के लिए अधिक इस्पात खपत के ढांचों और कम लागत वाले "आंगनबाड़ी केंद्रों" इत्यादि के प्रोटोटाईपों का विकास करना ।

(घ): इस संबंध में सेलम इस्पात संयंत्र को कोई विशेष भूमिका नहीं सौंपी गई है।

******